Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 3, Issue 6, April-2012, ISSN 2230-7540

संख्या तथा प्रतिशत के आधार पर समाचार–पत्रों में प्रकाशित साहित्य–सामग्री में चित्र तथाचित्र के प्रकार

Suman[1] Dr. Ishwar Singh[2]

[1]Research Scholar, CMJ University, Shillong, Meghalaya

[2]Research Scholar, CMJ University, Shillong, Meghalaya

शोध हेतु छः राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार–पत्रों के कुल 402 अंको का चयन किया गया है। जिसमें दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण, दैनिक ट्रिब्यून, नवभारत टाइम्स व जनसत्ता को शामिल किया गया है। शोध का आधार, सामग्री का अनुपात, स्थान का अनुपात, साहित्य का उद्देश्य, विधा, तत्व, भाषा, स्वरूप, विषय, वाक्य संरचना तथा चित्रको रखा गया। समाचार–पत्रों में साहित्यिक समाचारों की संख्या व स्थान पर भी विचार किया गया।

सारणी 1– संख्या के आधार पर समाचार–पत्रों में प्रकाशित साहित्य–सामग्री में चित्र

समाचार–पत्र	सचित्र साहित्य–सामग्री	बिना चित्र साहित्य–सामग्री	कुल साहित्य–सामग्री
दैनिक भास्कर	13	112	125
दैनिक जागरण	10	58	68
दैनिक ट्रिब्यून	34	139	173
अमर उजाला	18	143	161
नवभारत टाइम्स	0	49	49
जनसत्ता	2	68	70

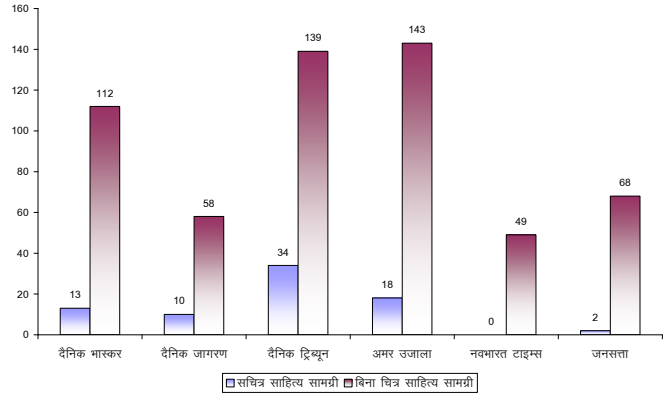

प्रस्तुत तालिका के आधार पर साहित्य–सामग्री के साथ चित्र प्रकाशन के संदर्भ में दैनिक ट्रिब्यून 34 चित्रों के साथ प्रथम स्थान पर, अमर उजाला 18 के साथ दूसरे स्थान पर, दैनिक भास्कर 13 के साथ तीसरे स्थान पर, दैनिक जागरण 10 के साथ चौथे स्थान पर, जनसत्ता 2 के साथ पांचवे स्थान पर है। नवभारत टाइम्स साहित्य–सामग्री के साथ एक भी चित्र का प्रकाशन नहीं हुआ है।

सारणी 2– प्रतिशत के आधार पर समाचार–पत्रों में प्रकाशित साहित्य–सामग्री में चित्र

समाचार–पत्र	सचित्र साहित्य–सामग्री	बिना चित्र साहित्य–सामग्री	कुल साहित्य–सामग्री
दैनिक भास्कर	10.4	89.6	100
दैनिक जागरण	14.7	85.3	100
दैनिक ट्रिब्यून	19.7	80.3	100
अमर उजाला	11.2	88.8	100
नवभारत टाइम्स	0	100	100
जनसत्ता	3	97	100

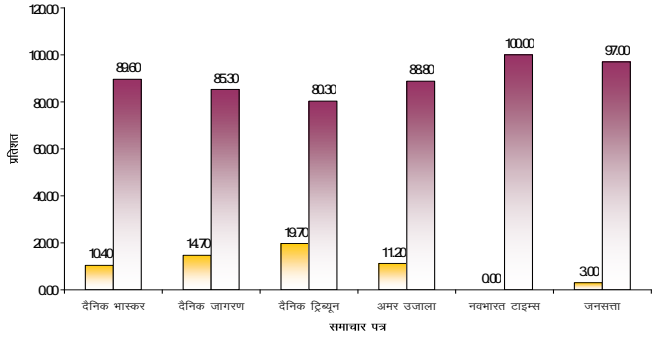

प्रस्तुत सारणी के अनुसार दैनिक भास्कर में 10.4 प्रतिशत चित्र युक्त एवं 89.6 प्रतिशत बिना चित्र के साहित्य–सामग्री प्रकाशित हुई। इसी क्रम में दैनिक जागरण में 47.7 प्रतिशत चित्र युक्त एवं 85. 3 प्रतिशत बिना चित्र, दैनिक ट्रिब्यून में 19.7 प्रतिशत चित्र युक्त एवं 80.3 प्रतिशत बिना चित्र के, अमर उजाला मे 11.2 प्रतिशत चित्र युक्त एवं 88.8 प्रतिशत बिना चित्र के, नवभारत टाइम्स में कुल सभी 100 प्रतिशत साहित्य–सामग्री बिना चित्र के प्रकाशित हुई तथा जनसत्ता में कुल प्रकाशित साहित्य–सामग्री में से 3 प्रतिशत चित्र युक्त एवं 97 प्रतिशत बिना चित्र के प्रकाशित हुई। स्पष्ट है कि साहित्य–सामग्री के साथ चित्र प्रकाशन की अधिकतम (19.7 प्रतिशत) प्रवृत्ति दैनिक

ट्रिब्यून में जबकि नवभारत टाइम्स में साहित्य–सामग्री के साथ कोई चित्र प्रकाशित नहीं हुआ।

सारणी 3–संख्या के आधार पर समाचार–पत्रों में प्रकाशित साहित्य–सामग्री में चित्र के प्रकार

समाचार–पत्र	रंगीन चित्र	श्वेतश्याम चित्र	कुल चित्र
दैनिक भास्कर	4	9	13
दैनिक जागरण	4	6	10
दैनिक ट्रिब्यून	16	18	34
अमर उजाला	12	6	18
नवभारत टाइम्स	0	0	0
जनसत्ता	0	2	2

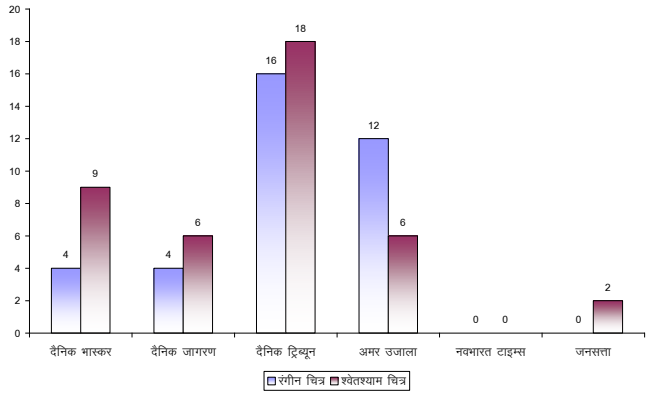

यह सर्वमान्य तथ्य है कि रंगीन चित्र श्वेतश्याम की तुलना में अधिक आकर्षक व प्रभावशील होते हैं। यह भी मान्यता है कि अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण सामग्री के साथ रंगीन चित्रों का प्रकाशन किया जाता है। चित्रों की गुणवत्ता पर विचार किया जाए, तो सारणी के अनुसार संख्या की दृष्टि से दैनिक ट्रिब्यून 16 चित्रों के साथ प्रथम स्थान पर, अमर उजाला (12) दूसरे स्थान पर, दैनिक भास्कर (4) व दैनिक जागरण (4) तीसरे स्थान पर हैं। जनसत्ता व नवभारत टाइम्स में साहित्य–सामग्री के साथ कोई रंगीन चित्र प्रकाशित नही हुआ।

साहित्य–सामग्री में श्वेतश्याम चित्रों की प्रवृत्ति को देखें तो सारणी के अनुसार दैनिक ट्रिब्यून (18) प्रथम स्थान पर, दैनिक भास्कर (9) दूसरे स्थान पर, दैनिक जागरण (6) व अमर उजाला (6) तीसरे स्थान पर तथा जनसत्ता (2) चौथे स्थान पर है। नवभारत टाइम्स में साहित्य–सामग्री के साथ किसी भी श्वेतश्याम चित्र का प्रकाशन नहीं हुआ।

निष्कर्ष

प्रस्तुत तालिका 1 के आधार पर साहित्य–सामग्री के साथ चित्र प्रकाशन के संदर्भ में दैनिक ट्रिब्यून 34 चित्रों के साथ प्रथम स्थान पर, अमर उजाला 18 के साथ दूसरे स्थान पर, दैनिक भास्कर 13 के साथ तीसरे स्थान पर, दैनिक जागरण 10 के साथ चौथे स्थान पर, जनसत्ताा 2 के साथ पांचवे स्थान पर है। नवभारत टाइम्स साहित्य–सामग्री के साथ एक भी चित्र का प्रकाशन नहीं हुआ है।

प्रस्तुत सारणी 2 के अनुसार दैनिक भास्कर में 10.4 प्रतिशत चित्र युक्त एवं 89.6 प्रतिशत बिना चित्र के साहित्य–सामग्री प्रकाशित हुई। इसी क्रम में दैनिक जागरण में 47.7 प्रतिशत चित्र युक्त एवं 85.3 प्रतिशत बिना चित्र, दैनिक ट्रिब्यून में 19.7 प्रतिशत चित्र युक्त एवं 80.3 प्रतिशत बिना चित्र के, अमर उजाला मे 11.2 प्रतिशत चित्र युक्त एवं 88.8 प्रतिशत बिना चित्र के, नवभारत टाइम्स में कुल सभी 100 प्रतिशत साहित्य–सामग्री बिना चित्र के प्रकाशित हुई तथा जनसत्ता में कुल प्रकाशित साहित्य–सामग्री में से 3 प्रतिशत चित्र युक्त एवं 97 प्रतिशत बिना चित्र के प्रकाशित हुई। स्पष्ट है कि साहित्य–सामग्री के साथ चित्र प्रकाशन की अधिकतम (19.7 प्रतिशत) प्रवृत्ति दैनिक ट्रिब्यून में जबकि नवभारत टाइम्स में साहित्य–सामग्री के साथ कोई चित्र प्रकाशित नहीं हुआ।

सारणी 3 के अनुसार दैनिक ट्रिब्यून (18) प्रथम स्थान पर, दैनिक भास्कर (9) दूसरे स्थान पर, दैनिक जागरण (6) व अमर उजाला (6) तीसरे स्थान पर तथा जनसत्ता (2) चौथे स्थान पर है। नवभारत टाइम्स में साहित्य–सामग्री के साथ किसी भी श्वेतश्याम चित्र का प्रकाशन नहीं हुआ।

संदर्भ–ग्रन्थ

1. तिवारी नित्यानन्द, आधुनिक साहित्य और इतिहास बोध, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. कुमार जैनेन्द्र, साहित्य और संस्कृति, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. डॉ. त्रिवेदी आर.एन., डॉ. शुक्ला आर.पी., रिसर्च मैथ्डोलॉजी, कालेज बुक डिपो, दिल्ली।
4. डॉ. रामअवतार, हिन्दी पत्रकारिता और साहित्य, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. मिश्र कृष्ण बिहारी, हिन्दी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 1968।
6. डॉ. राघवन वी., भारतीय काव्य सिद्धान्त, प्रकाशन, ईलाहाबाद।
7. टेकचन्द, खन्ना वेदपाल, आदर्शालोचन, राज पब्लिशर्ज, नई सड़क, नई दिल्ली, 1960।
8. दास श्यामसुन्दर, साहित्योलोचन, इंडियन प्रैस लिमिटेड, प्रयाग, 1942।
9. हिन्दी पत्रकारिता और साहित्य
10. हरिचरण, हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, माया प्रकाशन मन्दिर, जयपुर।

11. डॉ. शर्मा वासुदेव, हिन्दी साहित्य का विकास, सूर्य भारती प्रकाशन, दिल्ली।

12. कांग कुलबीर सिंह, पूर्वी समीक्षा के सिद्धान्त, बिशनचंद एण्ड सन्स, दिल्ली।